M.A. (Pali and Prakrit) (with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem. III

MAPAL234-3-Paper III : Vinaypitak Va Pali Vyakaran

(विनयपिटक व पालि व्याकरण)

P. Pages : 2 **GUG/W/16/2913**

Time : Three Hours * 3 7 7 9 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
सभी सवाल छुडाना अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा **कोणतेही दोन**. **20**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए **कोई भी दा ।**

अ) तेन खो बुध्दो भगवा सावत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तेन खो पन समयेन आयस्मा उदायी सावत्थिय कुलूपको होति, बहुकानि कुलानि उपसङकमति। तेन खो पन समयेन अञ्ञतरा इत्थी मतपतिका अभिरुपा होति दस्सनीया पासादिका। अथ खो आयस्मा उदायी पुब्बण्ह समयं निवसित्वा पत्तचीवरमादाय येन तस्सा इत्थिया निवेसनं तेनुपसङकमि; उपसङकमित्वा पञ्ञते आसने निसीदि। अथ खो सा इत्थी यनायस्मा उदायी तेनुपसङकमिः उपसङकमित्वा आयस्मन्तं उदायिं, अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्न खो तं इत्थिं आयस्मा उदायी धम्मिया कथाय सन्दस्सेसि समादपेसि समुत्तेजेसि सम्पहंसेसि।

ब) तेन खो पन समयेन अञ्ञतरो पुराण वोहरिको महामत्तो भिक्खसु पब्बजितो भगवतो अविदूरे निसिन्नो होति। अथ खो भगवा तं भिक्खुं एतदवोच - ''कित्तकेन खो भिक्खु राजा मागधो सेनियो बिम्बिसारो चोरं गहेत्वा हनति वा बन्धति वा पब्बाजेति वा ''ति? पादेन वा, भगवा, पादारहेन वा' ति। तेन खो पन समयेन राजगहे पञ्चमासको पादो होति। एवं च पन, भिक्खवे, इमं सिक्खापदं उद्दिसेय्याथ -
''यो पन भिक्खु अदिन्नं थेय्यसङखातं आदियेय्य, यथारुपे अदिन्नादाने राजानो चोरं गहेत्वा हनेय्युं वा बन्धेय्युं वा पब्बाजेय्युं वा 'चोरोसि बालोसि मूळहोसि थेनोसी' ति, तथारुपं भिक्खु अदिन्नं आदियमानो अयं पि पाराजिको होति असंवासो'' ति।

क) अथ खो भगवा एतस्मिं निदाने एतस्मिं पकरणे भिक्खुसङघं सन्निपातापेत्वा आयस्मन्तं उदायिं पटिपुच्छि - ''सच्चं किरत्वं, उदायि, मातुगामस्स सन्तिके अत्तकामपारिचरियाय वण्णं भासी'' ति? ''सच्चं, भगवा'' ति। विगरहि बुध्दो भगवा ''अननुच्छिपिक, मोघपुरिस, अननुलोमिकं अप्पतिरुपं अस्सामणकं अकप्पिथं अकरणीयं। कथं हि नाम त्वं, मोघपुरिस, मातुगामस्स सन्तिके अत्तकामपारिचरियाय वण्णं भासिस्ससि। एवंच पन, भिक्खवे, इमं सिक्खापदं उद्दिसेय्याथ -
''यो पन भिक्खु ओतिण्णो विपरिणतेन चित्तेन मातुगामस्स सन्तिके अत्तकामपारिचरियाय वण्णं भासेय्य-'एतदग्गं, भगिनि, पारिचरियानं या मादिसं सीलवन्तं कल्याणधम्मं ब्रह्मचारिं एतेन धम्मेन परिचरेय्या ति मेथुनुपसंहितेन'', सङघादिसेसो'' ति।

2. अ) छट्ठसंघादिसेस नुसार 'कुटी निर्माण' संबंधी सविस्तर चर्चा करा. **10**
छट्ठसंघादिसेस के आधार पर 'कुटी निर्माण' के बारे में सविस्तर चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

पठम पाराजिक नुसार 'मैथुन क्रियेविषयी सविस्तर चर्चा करा.
पठम पाराजिक के आधार पर 'मैथुन क्रिया'के बारे में सविस्तर चर्चा कीजिए।

ब) टिपणे लिहा **कोणतेही एक.** **5**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी एक।**

1) संघभेद 2) दुट्ठलवाचाय

3) ततिय पाराजिक

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि - ''सन्दहथ, भिक्खवे, पत्तचीवरं; कालो भत्तस्सा'' ति। एवं, भन्ते, ति खो ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसुं। अथ खो भगवा पुब्बण्हसमयं पत्तचीवरमादाय - सेय्यथापि नाम बलवा पुरिसो समिञ्जितं वा बाहं पसारेय्य, पसारित वा बाहं सम्मिञ्जेय्य, एवमेव जेतवने अन्तरहितो विसाखाय मिगार मातुया कोट्ठके पातुरहोसि। निसीदि भगवा पञ्ञते आसने सध्दिं भिक्खुसङ्घेन।
अथ खो विशाखा मिगारमाता - अच्छरियं वत भो अब्भुतं वत भो तथागतस्स महिध्दिकता महानुभावता, यञ हि नाम जण्णुकमत्तेसु पि ओघेसु पवत्तमानेसु, कटिमत्तेसु पि ओधेसु पवत्त मानेसु, न हि नाम एक भिक्खुस्स पि पादा वा चीवरानि वा अल्लानि भविस्सन्ती'' ति-हट्ठो उदग्गा बुध्दप्पमुखं भिक्खुसङ्घं पणीतेन खादनीयेन भोजनीयेन सहत्था सन्तप्पेत्वा सम्पवारेत्वा भगवन्तं भुत्तावि ओतीतपत्तपाणिं एकमन्तं निसीदि।

OR / अथवा

पुना च परं, भन्ते, भगवता अन्धकविन्दे दसानिसंसे सम्पस्समानेन यागु अनुञ्ञाता। त्याहं, भन्ते, आनिसंसे सम्पस्समाना इच्छामि सङ्घस्स यावजीवं धुवयागुं दातुं।
इध, भन्ते, भिक्खुनियो अचिरवतिया नदिया वेसेयाहि सध्दिं नग्गा एकतित्थे नहायन्ति। ता, भन्ते, वेसियो भिक्खुनियो उप्पण्डेसुं - ''किं नु खो नाम तुम्हाकं, अय्ये, दहरानं ब्रह्मचरियं चिण्णेन, ननु नाम कामा परिभुञ्जितब्बा, यदा जिण्णा भविस्सथ, तदा ब्रह्मचरियं चरिस्सथ। एवं तुम्हाकं उभो अत्था परिग्गहित्वा भविस्सन्ती'' ति। ता, भन्ते, भिक्खुनियो वेसियाहि उप्पण्डियमाना मङ्कु अहेसुं। असुचि, भन्ते, मातुगामस्स नग्गियं जिगुच्छं पटिकूलं। इमाहं, भन्ते, अत्थवसं सम्पस्समाना इच्छामि भिक्खुनी सङ्घस्स यावजीव उदक साटिकं दातुं' ति।

ब) विशाखा मिगार माताने भगवान बुध्दांना कोणते आठ वर मागितले? सविस्तर चर्चा करा. **5**
विशाखा मिगार माताने भगवान बुध्द को कौनसे आठ वर माँगे? सविस्तर चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

महावग्गातील चीवर स्कंधकाचे स्थान व महत्व विशद करा.
महावग्ग में चीवर स्कंधक का स्थान और महत्व विशद कीजिए।

4. अ) 1) समासाचे प्रकार सांगून कर्मधारय समास उदाहरणासह स्पष्ट करा. **5**
समास के प्रकार बताकर कर्मधारय समास उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

2) समास ओळखा **कोणतेही पाच.** **5**
समास पहचानिए **कोई भी पाच।**

1)	पच्छाभत्तं	2)	उरगो
3)	सीलधनं	4)	लम्बकण्णो
5)	मातापितरो	6)	गीतवादितं
7)	अलङ्करिय	8)	यावजीवं

ब) 1) संधीचे प्रकार सांगून व्यंजन संधीचे सविस्तर वर्णन करा. **5**
सन्धि के प्रकार बताकर व्यंजन सन्धि के सविस्तर वर्णन कीजिए।

2) संधी ओळखा **कोणतेही पाच.** **5**
सन्धि पहचानिए **कोई भी पाच।**

1)	सोपि	2)	मुनीचरे
3)	सारम्भो	4)	पग्गहो
5)	एवाहं	6)	व्याकासि
7)	भोगिन्दो	8)	ससीलवा

5. टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **10**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1)	विनयपिटक	2)	पातिमोक्ख
3)	कुटिपमाणं	4)	संघभेदकानुवत्तने

****